

## स्थानीय फनिटेक अभिकर्त्ताओं को प्रोत्साहन

### प्रलिस के लिये:

फनिटेक सेक्टर, [साइबर सुरक्षा](#), [संसद समितियाँ](#), [भारतीय रज़िर्व बैंक \(RBI\)](#), [भारतीय राष्ट्रीय भुगतान नगिम](#), [भारतीय प्रतभित और वनियमि बोरड](#)

### मेन्स के लिये:

भारत का डजिटिल भुगतान इकोसिस्टम, पूंजी बाज़ार

[स्रोत: द हट्टि](#)

## चर्चा में क्यों?

संसद में पेश की गई हालिया रिपोर्ट में, [संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर स्थायी समिति](#) ने [भारत के डजिटिल भुगतान इकोसिस्टम](#) में वदिशी स्वामतिव वाले फनिटेक (Fintech) ऐप्स के प्रभुत्व को लेकर चिंता व्यक्त की है।

- फनिटेक का आशय वतितीय सेवाएँ प्रदान करने के लिये डजिटिल प्लेटफॉर्म के उपयोग से है।

## रिपोर्ट से संबंधित प्रमुख बडि क्या हैं?

- प्रभावी वनियमन पर ज़ोर:**
  - भारत में भुगतान करने के लिये डजिटिल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ रहा है इसलिये समिति ने रिपोर्ट में इस बात पर बल दिया कडिडिटिल भुगतान ऐप्स को प्रभावी ढंग से वनियमति कथिा जाना चाहिये।
  - इस रिपोर्ट में के अनुसार [भारतीय रज़िर्व बैंक \(RBI\)](#) और [भारतीय राष्ट्रीय भुगतान नगिम \(National Payments Corporation of India- NPCI\)](#) जैसे नयिमक नकियाँ को वदिशी ऐप्स की तुलना में [स्थानीय ऐप्स को वनियमति करना](#) अधिक 'व्यवहार्य' होगा क्योंकि वदिशी ऐप्स से संबंधित अधिकारिता में भनिनता है।
- वदिशी स्वामतिव वाली फनिटेक कंपनियों का प्रभुत्व:**
  - भारतीय फनिटेक क्शेत्तर में वदिशी संस्थाओं के स्वामतिव वाली फनिटेक कंपनियों जैसे फोनपे (PhonePe) और गूगल पे (Google Pay) की बाज़ार हसिसेदारी अत्यधिक है।
    - बाज़ार हसिसेदारी:** अक्टूबर-नवंबर 2023 तक के आँकडों के अनुसार PhonePe की हसिसेदारी सबसे अधिक (46.91%) है तथा उसके बाद Google Pay (36.39%) और BHIM UPI (0.22%) का स्थान आता है।
- NPCI द्वारा लेन-देन की उच्चतम सीमा का नरिधारण (वॉल्यूम कैप):**
  - समिति की अनुशंसाएँ काफी हद तक NPCI द्वारा नवंबर 2020 में [यूनफाइड पेमेंट इंटरफेस \(UPI\)](#) का उपयोग करके लेन-देन की उच्चतम सीमा (वॉल्यूम कैप) 30% नरिधारति करने के अनुरूप हैं।
    - NPCI द्वारा नरिधारति यह सीमा PhonePe और Amazon Pay जैसे तृतीय-पक्ष ऐप्स कोतीन माह में UPI की कुल लेन-देन के 30% से अधिक की हसिसेदारी होने से प्रतबिंधति करती है।
    - नरिधारति उच्चतम सीमा से अधिक लेन-देन प्रबंधति करने वाले ऐप्स को दो वर्ष की चरणबद्ध अनुपालन अवधि (दसिंबर 2022-दसिंबर 2024) दी गई थी।
    - इस उच्चतम सीमा (वॉल्यूम कैप) का उद्देश्य UPI भुगतान में वृद्धि के दौरान होने वाले संभावति जोखमिों को कम करना और UPI भुगतान इकोसिस्टम की सुरक्षा करना है।
    - NPCI ने UPI विकास को बढावा देने और बाज़ार संतुलन में स्थरिता बनाए रखने के लिये बैंकों तथा गैर-बैंकगि वतित कंपनियों द्वारा उपभोक्ता पहुँच में वसितार करने पर ज़ोर दिया।
- धोखाधडी संबंधी चिंताएँ:**
  - समिति ने चीनी घोटालेबाज़ों द्वारा अबू धाबी की Pyppl ऐप का दुरुपयोग करने जैसे मामलों को आधार बनाते हुएन शोधन के लिये फनिटेक प्लेटफॉर्मों के दुरुपयोग से संबंधित चिंताओं पर प्रकाश डाला।

- फछिले पाँच वर्षों में भुगतान की मात्रा में वृद्धि के बावजूद **धोखाधड़ी से बकिरी (F2S) अनुपात** काफी हद तक 0.0015% के आसपास बना हुआ है।
  - UPI धोखाधड़ी से प्रभावित उपयोगकर्ताओं का प्रतशित 0.0189% था।
  - **F2S एक मात्रा आधारित प्रतशित है जो किसी व्यवसाय में उनकी मासिक बकिरी की मात्रा की तुलना में किसी दधि गए महीने में की गई धोखाधड़ी वाले लेन-देन की संख्या को मापता है।**

## फनिटेक क्या है?

### परचिय:

- फनिटेक, एक वत्ततीय प्रौद्योगिकी, भुगतान, उधार, बीमा, धन प्रबंधन तथा अन्य **वत्ततीय सेवाएँ प्रदान करने** अथवा उनको अधिक सुवधाजनक बनाने के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म, सॉफ्टवेयर एवं सेवाओं का उपयोग है।

### महत्त्व:

- फनिटेक, भारत के लिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह सहायता कर सकता है:
  - भारत में, विशेष रूप से **ग्रामीण एवं दूरदराज़ के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बैंक रहित तथा कम बैंकिंग सुवधा वाली आबादी तक वत्ततीय सेवाओं की पहुँच के साथ समावेशन** का वसितार करना है।
  - पारंपरिक तरीकों में शामिल लागत, समय एवं घर्षण को कम करके **वत्ततीय लेन-देन की दक्षता तथा सुवधा को बढ़ाना।**
  - उद्यमियों, स्टार्टअप एवं उपभोक्ताओं के लिये **नए अवसर एवं बाज़ार सृजित करके भारतीय अर्थव्यवस्था के नवाचार एवं विकास को बढ़ावा देना।**

### भारत के फनिटेक उद्योग के भाग एवं कार्यप्रणाली:

- फनिटेक के अंतर्गत प्रमुख क्षेत्रों में **भुगतान, डिजिटल ऋण, इंश्योरटेक, वेल्थटेक** शामिल हैं।
  - डिजिटल भुगतान, जो ऑनलाइन या मोबाइल प्लेटफॉर्म, जैसे **QR, वॉलेट, कार्ड एवं QR कोड** के माध्यम से धन अथवा मूल्य के हस्तांतरण को सक्षम बनाता है।
  - **डिजिटल ऋण**, जो वैकल्पिक डेटा स्रोतों एवं एल्गोरिदम का उपयोग करके ऑनलाइन अथवा मोबाइल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यक्तियों अथवा व्यवसायों को ऋण प्रदान करता है।
  - **इंश्योरटेक**, जो बीमा उत्पादों के साथ-साथ सेवाओं के वितरण, एवं प्रबंधन में सुधार के लिये प्रौद्योगिकी लागू करता है।
  - **वेल्थटेक**, जो नविश, धन प्रबंधन एवं वत्ततीय सलाहकारी सेवाओं के लिये ऑनलाइन अथवा मोबाइल मंच प्रदान करता है।
- **भारत, दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ते फनिटेक बाज़ारों में से एक है।** यहाँ लगभग 7,000 से अधिक फनिटेक स्टार्ट-अप हैं।
- भारतीय फनिटेक उद्योग का बाज़ार आकार वर्ष 2021 में 50 बलियन अमेरिकी डॉलर तथा और साथ ही वर्ष 2025 तक इसके लगभग 150 बलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।

### भारत में फनिटेक के लिये प्रमुख नियामक संस्थाएँ:

- **भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI):**
  - RBI, बैंकों, **NBFC**, PSP तथा क्रेडिट ब्यूरो को वनियमित करता है।
  - भारत के मुद्रा बाज़ार तथा वदेशी मुद्रा बाज़ार को वनियमित करने के लिये ज़मिंदार है।
  - **डिजिटल भुगतान** जैसे फनिटेक क्षेत्रों की नगिरानी करता है,
  - **डिजिटल ऋण तथा डिजिटल अथवा नव-बैंक(नियोबैंक)।**
- **भारतीय प्रतभित और वनियमित बोर्ड (SEBI):**
  - प्रतभित बाज़ारों एवं स्टॉकब्रोकरों तथा नविश सलाहकारों जैसे **मध्यस्थों को वनियमित** करता है।
  - प्रतभित, बाज़ारों और स्टॉकब्रोकरों तथा नविश सलाहकारों जैसे मध्यस्थों को नियंत्रित करता है।
  - स्टॉकब्रोकिंग और नविश सलाहकार जैसी सेवाएँ इसके अधिकार क्षेत्र में आती हैं।
- **भारतीय बीमा वनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI):**
  - बीमाकर्ताओं, कॉर्पोरेट एजेंटों, बीमा के लिये वेब एग्रीगेटर और तीसरे पक्ष के एजेंटों को वनियमित करता है।
  - बीमा क्षेत्र में अनुपालन और अखंडता सुनिश्चित करता है।

## स्थानीय फनिटेक अभिकर्ताओं के सामने क्या चुनौतियाँ हैं?

### अधिक प्रतसिपर्द्धा:

- भारतीय फनिटेक क्षेत्र अत्यधिक प्रतसिपर्द्धी है, जिसमें कई स्थानीय और वदेशी खलिाड़ी बाज़ार हसिसेदारी की तलाश में हैं। यह तीव्र प्रतसिपर्द्धा स्थानीय अभिकर्ताओं के लिये अलग दखिना और एक **महत्त्वपूर्ण उपयोगकर्ता आधार हासलि** करना कठिन बना सकती है।
  - स्थानीय अभिकर्ताओं को **अक्सर वशाल संसाधनों और अनुभव वाले स्थापित वैश्विक फनिटेक दगिगजों से प्रतसिपर्द्धा का सामना करना** पड़ता है। ये दगिगज ग्राहकों को आकर्षित करने तथा प्रतसिपर्द्धात्मक बढ़त हासलि करने के लिये अपनी ब्रांड पहचान एवं तकनीकी प्रगतिका लाभ उठा सकते हैं।

### नियामक बाधाएँ:

- फनिटेक के लिये भारतीय नियामक परदृश्य लगातार वकिसति हो रहा है, जिससे **स्थानीय खलिाइयों हेतु अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करना चुनौतीपूर्ण** हो गया है।

- इन जटिलताओं से निपटना, विशेष रूप से छोटे स्टार्टअप के लिये, समय लेने वाला और संसाधन-गहन हो सकता है।
- **डेटा गोपनीयता और सुरक्षा** को लेकर बढ़ती चिंताएँ स्थानीय अभिकर्त्ताओं के लिये चुनौतियाँ पैदा करती हैं। उन्हें उपयोगकर्त्ता का विश्वास हासिल करने हेतु मज़बूत डेटा सुरक्षा उपायों में निवेश करने और **व्यक्तगित डेटा संरक्षण** जैसे डेटा गोपनीयता नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।
- **वित्तीय बाधाएँ:**
  - अपने वदेशी समकक्षों की तुलना में, **स्थानीय अभिकर्त्ताओं के पास अक्सर फंडिंग तक सीमिति पहुँच होती है, जिससे नई प्रौद्योगिकियों में निवेश करने**, अपनी पहुँच का विस्तार करने और प्रभावी ढंग से प्रतस्पर्द्धा करने की उनकी क्षमता में बाधा आती है।
    - जबकि **UPI जैसे त्वरित भुगतान ने भारतीय बाज़ार में क्रांति ला दी है, उनकी न्यूनतम लेन-देन शुल्क स्थानीय अभिकर्त्ताओं के लिये राजस्व सृजन** को सीमिति कर सकती है, खासकर उन लोगों हेतु जो पूरी तरह से इस सेगमेंट पर निर्भर हैं।
    - **मैकनिसे (McKinsey's) की रिपोर्ट (2023) के अनुसार भारत में तत्काल भुगतान भवषिय की राजस्व वृद्धि में 10% से कम योगदान दे सकता है।**
      - यह अनुमान **UPI के माध्यम से किये गए लेन-देन के लिये लगाए गए शुल्क** की अनुपस्थिति के कारण है, जबकि **UPI न्यूनतम लेन-देन शुल्क लगाता है, फरि भी यह शुल्क-कम नकद लेन-देन की तुलना में अधिक राजस्व उत्पन्न करता है।**
        - महंगे नकदी प्रबंधन की तुलना में कागज़ रहति लेन-देन डिजिटल वाणजिय की सुरक्षा और पहुँच को बढ़ाता है।
  - **तकनीकी सीमाएँ:**
    - वैश्विक फनिटेक परदृश्य में तेज़ी से तकनीकी प्रगत स्थानीय अभिकर्त्ताओं के लिये चुनौतीपूर्ण हो सकती है। प्रतस्पर्द्धी बने रहने और नवीन समाधान पेश करने हेतु उन्हें **अनुसंधान तथा विकास में लगातार निवेश करने की आवश्यकता है।**
      - उन्नत तकनीकी बुनियादी ढाँचे तक पहुँच की कमी, जैसे कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, स्थानीय फनिटेक सॉल्यूशन की पहुँच और समावेशिता में बाधा बन सकती है।
  - **उपयोगकर्त्ता का विश्वास और व्यवहार:**
    - **डिजिटल साक्षरता, डेटा सुरक्षा और संभावित धोखाधड़ी के बारे में चिंताओं के कारण, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगकर्त्ताओं में विश्वास स्थापित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।** स्थानीय अभिकर्त्ता को उपयोगकर्त्ताओं के लिये शिक्षा में निवेश करने और पारदर्शी प्रथाओं के माध्यम से विश्वास बनाने की आवश्यकता है।

## आगे की राह

- **स्थानीय और वदेशी फनिटेक अभिकर्त्ता:**
  - भुगतान, ऋण, धन प्रबंधन और बीमा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने के लिये स्थानीय तथा वदेशी फनिटेक अभिकर्त्ताओं का संतुलित संयोजन आवश्यक है।
    - इष्टतम संयोजन/मिश्रण को भारतीय पारस्थितिकी तंत्र के हितों और ज़रूरतों को संतुलित करना चाहिये, जिसमें उपयोगकर्त्ता, प्रदाता, नियामक तथा समाज शामिल हैं।
- **उन्नत नियामक सहभागिता:**
  - स्थानीय फनिटेक अभिकर्त्ताओं को बढ़ती अनुपालन आवश्यकताओं को समझने एवं नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिये नियामक निकायों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिये।
  - **नियामकों के साथ सहयोग जवाबदेही और अनुपालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने एवं नवाचार तथा विकास के लिये अनुकूल नियामक वातावरण को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।**
- **उपयोगकर्त्ता का अनुभव:**
  - उपयोगकर्त्ता के अनुकूल इंटरफेस और कार्यक्षमताएँ डिज़ाइन की जानी चाहिये जो सुलभ हों तथा डिजिटल साक्षरता के विभिन्न स्तरों को पूरा करें, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।
- **फंडिंग तक पहुँच:**
  - स्थानीय अभिकर्त्ताओं के लिये उद्यम पूंजी निवेश या सरकारी अनुदान जैसे फंडिंग तक आसान पहुँच की सुविधा के लिये पहल का पता लगाने की आवश्यकता है, जो उन्हें प्रभावी ढंग से प्रतस्पर्द्धा करने में मदद कर सकता है।
- **ग्राहक का भरोसा:**
  - विश्वास कायम करने के लिये शिक्षा, पारदर्शी संचार और मज़बूत सुरक्षा उपायों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

भारत के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिये: (2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँव का अभगिरहण

उपरोक्त में से कसि भारत में "वित्तीय समावेशन" प्राप्त करने के लिये उठाया गया कदम माना जा सकता है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/promoting-local-fintech-players>

